



Jeenia

15 Sep 2005

07:15 PM

Muksar

Model: web-freelalkitab

Order No: 121425904

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 15/09/2005
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 19:15:00 घंटे
इष्ट _____: 32:27:20 घटी
स्थान _____: Muktsar
राज्य _____: Punjab
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 30:30:00 उत्तर
रेखांश _____: 74:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:31:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:43:16 घंटे
वेलान्तर _____: 00:04:45 घंटे
साम्पातिक काल _____: 18:21:45 घंटे
सूर्योदय _____: 06:16:03 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:37:18 घंटे
दिनमान _____: 12:21:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 28:52:42 सिंह
लग्न के अंश _____: 14:00:31 मीन

चैत्रादि संवत / शक _____: 2062 / 1927
मास _____: भाद्रपद
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 12
तिथि समाप्ति काल _____: 17:39:27
जन्म तिथि _____: 13
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: श्रवण
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 18:29:34 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: धनिष्ठा
सूर्योदय कालीन योग _____: अतिगण्ड
योग समाप्ति काल _____: 15:11:58 घंटे
जन्म योग _____: सुकर्मा
सूर्योदय कालीन करण _____: बव
करण समाप्ति काल _____: 07:18:40 घंटे
जन्म करण _____: कौलव
भयात _____: 01:53:35
भभोग _____: 53:26:33
भोग्य दशा काल _____: मंगल 6 वर्ष 9 मा 0 र्

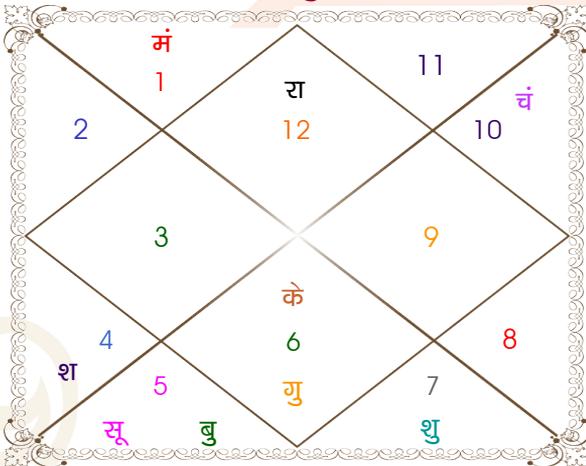
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मीन	14:00:31	---	--	--	--	नेक
सूर्य	सिंह	28:52:42	स्वराशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	मकर	23:48:16	सम राशि	--	--	--	नेक
मंगल	मेष	27:33:02	स्वराशि	--	--	--	नेक
बुध	सिंह	26:37:46	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	कन्या	27:25:41	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	तुला	10:34:23	मूलत्रिकोण	--	--	--	मन्दा
शनि	कर्क	13:29:46	शत्रु राशि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	व मीन	19:48:11	सम राशि	--	--	--	नेक
केतु	व कन्या	19:48:11	शत्रु राशि	--	--	--	नेक

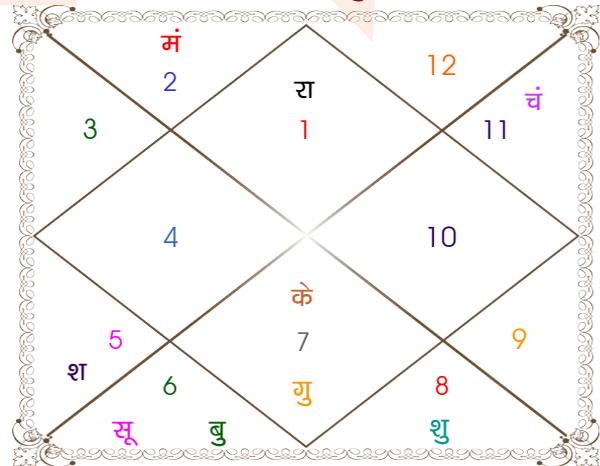
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपको ननिहाल से सुख मिलेगा और मुकद्दमें में जीत होगी। मित्र और शत्रु आप से दब कर रहेंगे। आप अपने भाग्य से संतुष्ट रहेंगी। आप अपने भाग्य पर भरोसा रखेंगी, बेफिक्र रहेंगी। आप का जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा। शारीरिक सुख अच्छा रहेगा। पुत्र जन्म के बाद अगर बुरा समय होगा तो अच्छा समय आएगा अर्थात् लड़के की पैदाइश के बाद आपका जीवन स्थिर हो जाएगा और आपका भाग्योदय होगा। पिता/ससुर को मिला रुतबा और बढ़ेगा। पति एवं संतान का सुख अधिक मिलेगा। आप पुत्रवती होंगी। दूसरे पुरुषों के साथ संबंध रहेगा, ऐसी संभावना रहती है। आपके चरित्र पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आप अपना काम बदल सकती हैं और उस बदले हुए काम से अच्छा फल मिलेगा। बुढ़ापे में रात का आराम, पूजा-पाठ, दान-पुण्य का शुभ असर मिलेगा। डाक्टर/कैमिस्ट के काम से लाभ होगा।

यदि आपने बहन से धन की ठगी की, सरकारी अधिकारियों से धोखा किया और मुकद्दमेंबाजी में अपना ध्यान रखा, हर समय दूसरों की तरफ मांगने की नीयत रखी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से, कोर्ट में मुकद्दमों पर अधिक खर्च होगा। पांव में खराबी हो सकती है। पापी ग्रहों के संयोग से बुरा समय आरंभ होगा। जीवन में एक बार पतन होना संभव है। मामा का हाल खराब रहेगा। गुस्सा अधिक आएगा या रक्तचाप का रोग होगा। आपके नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली हो सकती है। सूर्य का मंदा समय 21-22 साल की उम्र में होगा, पति पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आप अपने बाप/ससुर या बेटे के साथ एक शहर या गांव में रह कर धन नहीं कमा सकतीं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन से झगड़ा न करें।
2. समय कैसा भी रहे दान या कर्ज न मांगें।

उपाय :

1. चांदी या दरिया का पानी घर में कायम करें।
2. बंदर को गेहूं-गुड़ खिलायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से विद्या का पूरा लाभ उठावेंगी जो आगे आने वाले समय में शुभ रहेगा। अगर आप रात्रि समय विद्या पढ़ें तो लाभ हो सकता है। आपके पास सभी सुख के साधन उपलब्ध रहेंगे। सत्ता का श्रेष्ठतम फल

प्राप्त होगा। 32 वर्ष की उम्र तक लगातार धन आता रहेगा। आपको पुरुषों का सहयोग मिलेगा और पति से लाभ प्राप्त होगा। आमदनी में बरकत होगी।

यदि आपने शुक्रवार विवाह किया या रात्रि समय विवाह के फेरे लिए, प्रभात समय दान दिया या लिया, बुधवार को नया काम शुरू किया, शनिवार मकान मशीनरी खरीदी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से विद्या में रुकावट आयेगी। संतानोत्पत्ति में बाधा होगी या आपको पुत्र प्राप्ति में बाधा आ सकती है। कामशक्ति की दुर्बलता रहेगी (कामशक्ति में कमजोरी के समय किसी वैद्य की सलाह लें या दूध से बनी चीजों का इस्तेमाल करें)। आपकी माता/सास देर से आपके पुत्र का सुख देखेंगी। आपको जब बच्चा पैदा होने वाला हो तो आपकी माता/सास वहां से कहीं और चली जाएं। आपकी माता/सास जन्म के बाद आपके बच्चे को 43 दिन तक आंखों से न देखें या हाथों में न उठायें तो आपकी माता/सास और आपके बच्चे की लम्बी आयु रहेगी वरना एक की आयु क्षीण हो जाएगी। आपका या आपकी माता/सास की आंखों के आप्रेशन का भय है। आपके दादी-माता/सास से अधिक मधुर संबंध नहीं रहेंगे। आप दुश्मन से परेशान रहेंगी। आपके जीवन में उत्थान-पतन के भी योग आ सकते हैं। आपके भाई-बंधु एवं संपत्ति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विद्या अधूरी न छोड़ें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. भैरों मंदिर में दूध चढ़ावें या मजदूर पेशा आदमी को दूध पिलायें।
2. माता/सास का स्वास्थ्य खराब हो तो 11-11 खोये के पेड़े 11 बच्चों में बांटें।
3. घर में छत के नीचे नदी का पानी रखें।